# Fundamental of entrepreneurship development Bcom 2nd year

Dr Pratima Yadav

Department of Commerce

Reference

Publisher: Vishal prakashan

Writers: Dr SK Gupta and Dr Mayank Mohan

- प्रत्येक उपक्रम चाहे छोटा हो अथवा बड़ा चाहे उसकी क्रियाओं का चित्र स्थानीय हो प्रादेशिक हो अथवा अंतर्राष्ट्रीय चाहे वे निजी क्षेत्र में हो सार्वजनिक क्षेत्र में हो अथवा मिश्रित क्षेत्र में हो सभी के लिए नियोजन की आवश्यकता पड़ती है।कोई भी व्यवसाई बिना कुशल एवं प्रभावी नियोजन के अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता क्योंकि नियोजन के द्वारा ही व्यवसाय  अपने उपकरण के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक क्रियाओं को निश्चित करता है उनका क्रम निर्धारित करता है और उनको क्रियान्वित करता है।
- नियोजन का महत्व निम्नलिखित कारणों से और भी अधिक बढ़ गया है_____
- भावी अनिश्चितता ओं का सामना करने के लिए

- उद्देश्यों का स्पष्टीकरण
- प्रबंधकीय कार्यों में समन्वय
- संगठनात्मक कार्य कुशलता में वृद्धि करने के लिए
- उपकृम के संचालन में मितव्ययिता
- नियंत्रण कार्य में सहायक
- प्रबंध के कार्य कुशलता में वृद्धि करने के लिए
- नियोजन का राष्ट्रीय महत्व

# नियोजन के सिद्धांत

- सहयोग का सिद्धांत
- न्यायोचित ता का सिद्धांत
- मोर्चाबंदी अथवा प्रतिस्पर्धात्मक व्यूह रचना का सिद्धांत
- नीति निर्धारण सिद्धांत
- समय का सिद्धांत
- व्यापकता का सिद्धांत
- नियोजन की मान्यताओं का सिद्धांत
- सीमित करने वाले घटकों का सिद्धांत